

प्रेषक,

डॉ० अजय कुमार प्रद्योत,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 22 अक्टूबर, 2013

विषय:- राज्य युवा कल्याण परिषद, के विभिन्न व्ययों के वहन हेतु धनराशि की स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-502/दो-2473-परिषद/2013-14 दिनांक 25 जुलाई, 2013, तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-413/XXVII(1)/2013 दिनांक 10-6-2013 संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, वित्तीय वर्ष 2013-14 में राज्य युवा कल्याण परिषद हेतु अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि ₹80.00 लाख के सापेक्ष ₹20.00 लाख (द्वीस लाख) मात्र की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- शासनादेश संख्या-103/VI-2/2013-59(2)/2011 दिनांक 03 अक्टूबर, 2013 के द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड राज्य युवा कल्याण निधि व उसका संचालन नियमावली, 2013 में निहित दिशा-निर्देशों का अक्षरसः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 एवं 413/XXVII(1)/2013 दिनांक 10-6-2013 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा त क ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

4- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययिता को ध्यान में रखकर नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। परिषद को कारपस फण्ड से प्राप्त होने वाली आय की सीमा में ही विभिन्न मदों में व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।



5- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

6- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक में अनुदान सं. 11 के लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएं-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-05-युवा कल्याण परिषद को अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

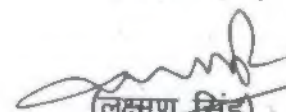
(डॉ० अजय कुमार प्रद्योत)
सचिव

पृष्ठांकन संख्या-216 / VI-2 / 2013-37(यु०क०)2001टी०सी० तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
उपसचिव।